दैनिक जागरण, भोपाल
19 MAY 2010
19 MAY 2010

मनमोहन सरकार के कामकाज से लोग संतुष्ट, लेकिन राहुल को चाहते हैं प्रधानमंत्री

शिवराज तीसरे सबसे बेहतर मुख्यमंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली

यूपीए के पहले साल से जनता खुश लगती है लेकिन राज्यों में कांग्रेस सरकारों से नहीं। यूपीए के लिए खतरे की घंटी राज्यों के मोर्चे पर ही बज रही है। कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री कामकाज में सबसे बेहतर तीन मुख्यमंत्रियों में नहीं है। 85 फीसदी लोगों का मानना है कि गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे अच्छे हैं। 84 फीसदी वोट के साथ उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक दूसरे नंबर पर हैं, जबकि तीसरा नाम मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का है जिन्हें 77 फीसदी वोट मिले हैं। 76 फीसदी वोट के साथ चौथे नंबर पर हैं असम के कांग्रेसी मुख्यमंत्री तरुण गोगोई और पांचवें पायदान पर हैं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रमन सिंह, जिन्हें 73 फीसदी लोग अच्छा मानते हैं। यानी सर्वे बता रहा है कि लोग सामाजिक छवियों से ज्यादा आर्थिक नतीजों को वजन दे रहे हैं। एक निजी एजेंसी द्वारा किए गए एक सर्वे में यह स्थिति उभर कर सामने आई है। सर्वे में केंद्र की यूपीए सरकार को भी शामिल किया गया है। जिसके अनुसार प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के काम से दो तिहाई लोग खुश हैं लेकिन वे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के पद पर देखना चाहते हैं। बीते साल इसी महीने मनमोहन सिंह ने दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। नेहरू के बाद वह पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने जिन्हें कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार चुना गया। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

टॉप 5 सीएम

- नरेंद्र मोदी
- नवीन पटनायक
- शिवराज चौहान
- तरुण गोगोई
- रमन सिंह

◆ सर्वे में 90 फीसदी लोगों ने माना नेता सबसे ज्यादा भ्रष्ट

शिवराज तीसरे...

यूपीए के इस दूसरे कार्यकाल पर कई सवाल हैं। सर्वे करने वाली एजेंसी ने मनमोहन सिंह की इस दूसरी पारी को लेकर लोगों की राय जानने की कोशिश की। इस सर्वे से साफ दिखाई पड़ता है कि सोनिया और राहुल प्रधानमंत्री से कहीं ज्यादा लोकप्रिय और ताकतवर हैं। 46 फीसदी लोग मानते हैं कि राहुल गांधी बेहतर प्रधानमंत्री होंगे, जबकि मनमोहन सिंह के बारे में यह राय सिर्फ 38 फीसदी लोगों की है। यही नहीं 55 फीसदी लोग यह माने बैठे हैं कि राहुल अगले प्रधानमंत्री होंगे जबकि सिर्फ 25 फीसदी ऐसा नहीं मानते। 63 फीसदी लोग मानते हैं कि सोनिया गांधी के पास असली ताकत है, जबकि 21 फीसदी मनमोहन को ज्यादा ताकतवर मानते हैं। वैसे यह सर्वे बताता है कि मनमोहन की दूसरी पारी को लेकर लोगों की राय अच्छी है। 69 फीसदी लोग मानते हैं कि प्रधानमंत्री के तौर पर मनमोहन का काम अच्छा है। वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी के काम को अच्छा मानने वालों की संख्या 59 फीसदी है। जबकि गृहमंत्री पी चिदंबरम का काम 61 फीसदी लोगों को अच्छा लगता है। इस खास सर्वे में यह भी सामने आया है कि जनता की पहली पसंद राहुल गांधी हैं। वैसे राजनीति को लेकर जनता की राय अच्छी नहीं है। 90 फीसदी लोग नेताओं को सबसे ज्यादा भ्रष्ट मानते हैं। मनमोहन सिंह की सरकार महंगाई के मोर्चे पर नाकाम साबित हुई है। यह बात ओपिनियन पोल में भी सामने आई है। ज्यादातर लोग महंगाई के मारे हैं। ओपिनियन पोल के मुताबिक 62 फीसदी लोगों का कहना है कि उन पर महंगाई का बहुत ज्यादा असर पड़ा है। 22 फीसदी लोगों का कहना है कि थोड़ा बहुत असर पड़ा है। 13 फीसदी लोगों पर महंगाई का असर कम पड़ा है। जबकि सिर्फ 3 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा। वैसे महंगाई इकलौता मुद्दा नहीं है जिससे सरकार घिरी रही है। महिला आरक्षण के मामले में संसद ने शर्मिन्दा करने वाले नजारे देखे तो दंतेवाड़ा में नक्सली हमले में 76 जवानों की मौत ने बड़ी हूक पैदा कर दी। इन सबके बीच आतंकवाद, पाकिस्तान के साथ रिश्ते और कसाब तक के मामले आते-जाते रहे। इन सारे मुद्दों पर एजेंसी ने लोगों की राय ली।